

जतन वार्षिक रिपोर्ट : 2024 – 2025

जतन वार्षिक रिपोर्ट

सत्र 202 :42 – 5

संपादन एवं मार्गदर्शन :डॉ. कैलाश बृजवासी

: रणवीर सिंह

लेखन और सामग्री संकलन : मुकुल कुमार

: भरत शाकद्वीपीय

मुद्रण : संजरी प्रिंटर्स उदयपुर



मुखपृष्ठ जतन संस्थान द्वारा संचालित :पहला कदम परियोजना के तहत आयोजित पहली पढ़ाई मेला में संभागियों की प्रतिबद्धता दर्शाता फोटो

जतन संस्थान दक्षिणी राजस्थान में जमीनी स्तर पर काम करने वाली एक स्वैच्छिक संस्था है। जतन ने अपने काम की शुरुआत सन् 2001 में वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राजस्थान के राजसमन्द जिले में की।

अपनी स्थापना के समय से ही जतन, ग्रामीण और शहरी युवाओं, किशोर-किशोरियों, बच्चों व महिलाओं, निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि एवं समुदाय के वंचित वर्ग को विस्तृत कार्यक्रमों के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए जेंडर संवेदनशीलता प्रजनन ,स्वास्थ्य, माहवारी प्रबंधन, शिक्षा, पोषण जीवन कौशल, बाल सुरक्षा एवं सामाजिक सुरक्षा के मुद्दों पर सूचनाबद्ध भागीदारी बढ़ाने और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विजन

जतन एक ऐसे समाज की कल्पना करती है, जहाँ लोग स्वस्थ, सुरक्षित और खुशियों से भरी भेदभाव मुक्त जिंदगी जी सकें।

मिशन

जतन राजस्थान के युवाओं को सूचना, संबलन व उचित अवसर उपलब्ध कराने और सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत है ताकि युवाओं के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।



जतन की प्रतिबद्धता



- *जतन संस्थान के सभी कार्यालय प्लास्टिक फ्री, स्मोकिंग फ्री, टोबैको फ्री और वेस्टेज फ्री हैं।*
- *कार्यालय में प्लास्टिक की थैलियों और डिस्पोजेबल प्लास्टिक सामग्री का उपयोग नहीं किया जाता और अन्य लोगों को भी इसका उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया जाता है।*

- *जतन संस्थान, अपने परिसर तथा संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्लास्टिक बैग, प्लास्टिक पानी की बोतल, फ्लेक्स बैनर, प्लास्टिक फोल्डर, स्ट्रा, प्लास्टिक अथवा थर्माकोल के कप, थर्मोकोल शीट्स, प्लास्टिक प्रिंटिंग सामग्री, खाने के प्लास्टिक पैकेट या डिब्बे आदि का उपयोग नहीं करने के लिए प्रतिबद्ध है।*
- *हम जानते है कि संसाधन बहुत सीमित है, अतः संसाधनों का सही और समुचित उपयोग करने पर हमारा जोर रहता हैं। यही कारण है कि हम किसी भी सामग्री का अधिक से अधिक उपयोग करने में विश्वास करते है चाहे वो माहवारी प्रबंधन के लिए काम में लिए जाने वाला सूती कपड़ा हो या एक तरफ इस्तेमाल किया गया कागज ।*
- *हमारे द्वारा विकसित की जाने वाली सभी प्रकार की सन्दर्भ सामग्री की पहुँच अधिक से अधिक लोगों तक सुनिश्चित हो सके, इसके लिए हम कॉपी लेफ्ट नीति का पालन करते हैं। हम उन साथियों के प्रति अपना आभार भी व्यक्त करते हैं जो हमें, उनके द्वारा प्रयोग में ली जा रही जतन सन्दर्भ सामग्री के लिए श्रेय देते हैं।*
- *संस्थान बाल संरक्षण को लेकर सजग है और इसके लिए कार्यकर्ताओं को पाबंद करती है कि वे अपने घर, खेत और व्यवसाय में बच्चों से कार्य नहीं कराएंगे, न ही बाल विवाह जैसी कुप्रथा को प्रोत्साहित करने के लिए उसका हिस्सा बनेंगे।*
- *संस्थान द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में जाति, लिंग और सामाजिक पहचान के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता। जतन अपनी टीम में LGBTQIA+ समुदाय से जुड़े साथियों को संस्थान में अवसर देने के लिए प्रेरित है।*
- *उपरोक्त बातों को ध्यान में रखने और इनका पालन करने के लिए समय-समय पर कार्यकर्ताओं को चर्चा और प्रशिक्षण के माध्यम से संवेदनशील किया जाता है।*

अनुक्रमणिका

1. निदेशक की कलम से	6
2. बाल विकास के मुद्दे	7
3. किशोर, किशोरियों और युवाओं के मुद्दे	16
4. महिलाओं के मुद्दे	25
5. स्वस्थ परम्पराएं	31
6. इंटर्न और वालंटियर्स	33
7. पुरस्कार और सम्मान	33
8. जतन कार्यकारिणी, समिति बोर्ड सदस्य और बैठके	34
9. अंकेक्षण प्रतिवेदन	37
10. कतरनों की ज़ुबानी	43

निदेशक की कलम से . .



जतन के लिए यह वर्ष अपनी यात्रा का 23 वां वर्ष रहा | आने वाले वर्षों में हम अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण करने की दिशा में बढ़ रहे हैं | अपने शुरुआती दिनों में हमने किशोर-किशोरियों के साथ प्रजनन स्वास्थ्य सम्प्रेषण और जेंडर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बात की थी और इस वर्ष तक आते-आते हमने 'सकारात्मक मर्दानगी' जैसे जरुरी मुद्दे पर अपने कार्य को आगे बढ़ाते हुए किशोरों और उनके परिवार को जेंडर संवेदनशील वातावरण में ढालने का प्रयास शुरू कर दिया | जतन के इस कार्य को राष्ट्रिय मंचों पर सराहना मिली है और शिक्षा एवं बाल सुरक्षा विभाग ने इस विषय पर तैयार सामग्री को प्रकाशित कर क्रियान्वयन करने पर अपनी सहमती व्यक्त की है | सत्र 2024-2025 में संचालित नयी परियोजनाओं में बाल विवाह रोकने के लिए किये जा रहे प्रयासों पर बेहतर कार्य हो सका है | इस कार्य के लिए 2 तरह की अलग-अलग रणनीति के तहत हमने एक्शन लेने और मानसिकता में बदलाव लाने का कार्य संपन्न किया | इसके लिए 2 परियोजनाओं का सञ्चालन करते हुए टेरे डेस होम्स और कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन जैसी फंडिंग एजेंसी से सहयोग लिया गया |

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान की 2 प्रमुख गतिविधियाँ 'स्थापना दिवस समारोह' और 'कार्यकर्ताओं का वार्षिक क्षमता शिविर' सफलतापूर्वक आयोजित किये गए | कार्यकर्ताओं के लिए आपसी मेल-जोल बढ़ाने, जतन के मूल्यों और संस्कृति से परिचित होने और नए विषयों पर अपनी जानकारी को बढाने के ये 2 प्रमुख अवसर हैं, जिन का आयोजन सभी कार्यकर्ता मिल-जुल कर करते हैं |

भौगोलिक कार्यक्षेत्र विस्तार की दृष्टि से देखा जाए तो वर्तमान में संस्थान का कार्य क्षेत्र राजस्थान के राजसमन्द, उदयपुर, डूंगरपुर, जयपुर, बांसवाडा और सिरोही जिलों तक सीमित है और इन जिलों के लगभग 2000 गाँवों में संस्थान द्वारा विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से कार्य किया जा रहा है |

इस वर्ष एक और महत्वपूर्ण परियोजना की शुरुआत की गई जिसका नाम है – 'समझो तो' यह परियोजना किशोर-किशोरियों के समूहों को हमारे संविधान, अधिकार, कर्त्तव्य, जेंडर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर समझ को बढ़ाने में सहयोग करने वाली है | इसके लिए हमारी साथी संस्था प्रवाह से हमें मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है जो हमारे कार्यकर्ताओं के क्षमतावर्धन के लिए विशेष रूप से प्रयासरत है |

सरकार द्वारा संचालित बाल विकास परियोजना की सेवाओं की पहुँच बच्चों और महिलाओं तक सुनिश्चित करने के लिए संस्थान द्वारा वर्तमान में 3 अलग-अलग परियोजनाओं का सञ्चालन किया जा रहा है, जिनके बारे में आप इस रिपोर्ट में पढ़ सकेंगे |

आने वाला समय जतन की सोच और सीख को आगे बढाने वाला समय है, इसलिए इस तरह के मंच हमारे लिए अवसर के साथ-साथ उपलब्धियां भी ले कर आते हैं | आशा है ये कारवां इसी तरह आगे बढ़ता रहेगा |

शुभकामनाओं के साथ

(डॉ. कैलाश बृजवासी)

बाल विकास के मुद्दे



अपने नाम को सार्थक करता - अपना जतन केन्द्र

सहयोग - गेबिको जर्मनी एवं इंडो एशिया टूर्स

नीमच माता कच्ची बस्ती, देवाली उदयपुर में संचालित यह केंद्र समाज के कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों के शैक्षणिक, भावनात्मक तथा रचनात्मक विकास की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विगत 15 वर्षों से निरंतर कार्य कर रहा है। वर्तमान में केंद्र से 48 स्थानीय बच्चे जुड़े हुए हैं। केंद्र में मुख्य रूप से तीन गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं- **पालना घर** के माध्यम से कामकाजी महिलाओं के 2 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की देखभाल की जाती है। **वैकल्पिक शिक्षा** सेवा के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के उन बच्चों को शिक्षा प्रदान की जाती है जो विद्यालय छोड़ चुके हैं, ताकि उन्हें पुनः औपचारिक शिक्षा व्यवस्था से जोड़ा जा सके। **शिक्षा संबलन सेवा** के अंतर्गत विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 8 तक के बच्चों को गृहकार्य कराने एवं पढ़ाई से संबंधित समस्याओं के समाधान में सहयोग प्रदान किया जाता है। कक्षा 3-8 के बच्चों को विषयवार (हिंदी, गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, सा. विज्ञान, संस्कृत) तैयारी। व्याकरण, प्रश्न-उत्तर और बुनियादी संक्रियाओं (जोड़-बाकी, भिन्न, रेखाखंड) पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

सह-शैक्षिक गतिविधियाँ: साप्ताहिक क्राफ्ट (ओरेगेमी), प्रतिदिन खेल (खो-खो, कबड्डी, लूडो), पुस्तकालय सत्र और बागवानी जैसी गतिविधियाँ नियमित आयोजित की जाती हैं। **विशेष आयोजन:** दीपावली, मकर संक्रांति, क्रिसमस, होली, बाल दिवस, और सावित्रीबाई फुले जयंती, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस समरोहों का आयोजन किया।

समुदाय के साथ : नियमित गृह भेंट के माध्यम से वार्षिक परीक्षा, दस्तावेजीकरण (विधवा पेंशन आदि) और जेंडर मुद्दों पर चर्चा। **बैठकें:** किशोर-किशोरी बैठक (मासिक) एवं महिला बैठकें, जिनमें स्वास्थ्य, स्वच्छता (MHM), हिंसा और रोजगार जैसे जरुरी मुद्दों पर संवाद का आयोजन।

शैक्षणिक भ्रमण: 2 अक्टूबर 2024 को केंद्र के 29 बच्चों को 'थर्ड स्पेस' उदयपुर के भ्रमण द्वारा क्राफ्ट, विज्ञान मॉडल और रंगमंच के अनुभव से जोड़ा गया। केंद्र पर आयोजित इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत अमेरिका कि नीना और MLSU उदयपुर की हर्षिता द्वारा बच्चों को अंग्रेजी और गणित का विशेष शिक्षण करवाया गया। **उपलब्धि:** पालनाघर के 9 बच्चों और वैकल्पिक शिक्षा के 11 बच्चों का मुख्यधारा स्कूलों में नामांकन करवाया गया।





समता आधारित पूर्व-प्राथमिक शिक्षा के लिए 'पहला कदम'

सहयोग - इकिडना गिविंग

"पहला कदम" कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों में पूर्व-प्राथमिक शिक्षा (PSE) को मजबूत करना, जेंडर दृष्टिकोण को शिक्षा में शामिल करना, सेवा प्रदाताओं (कार्यकर्ताओं) की क्षमता बढ़ाना और बच्चों के लिए एक सुरक्षित, समावेशी और बेहतर सीखने का वातावरण बनाना है। यह कार्यक्रम राजस्थान के राजसमंद जिले में देवगढ़ और आमेट ब्लॉक में 275 आंगनवाड़ी और 10 बालवाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित किया जा रहा है।

उपलब्धियाँ

कार्यक्रम के तहत लगभग 4000 बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पूर्व-प्राथमिक शिक्षा से जोड़ा गया है, साथ ही 2615 अभिभावकों को बैठकों और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से जोड़ा गया है और उनके साथ बच्चों के व्यवहार और परवरिश पर बात करते हुए समझ विकसित की गई। कार्य क्षेत्र के सुदूर इलाकों में जहाँ आंगनवाडी नहीं है या काफी दूर है, 10 बालवाड़ी केंद्र खोले गए हैं जिसमें 300 अतिरिक्त बच्चे पूर्व-प्राथमिक शिक्षा का लाभ ले रहे हैं। इन 10 बालवाड़ियों में से 2 बालवाड़ियों को आंगनवाड़ी केंद्र में परिवर्तित किया गया है। शिक्षा और जेंडर पर प्रशिक्षण दिया गया, ताकि बच्चों के विकास के लिए सुचारू रूप से कार्य किया जा सके। 275 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी प्रबंधन समिति के 3201 सदस्यों के क्षमतावार्धन के लिए प्रति 3 माह में गुणवत्तापूर्ण पूर्व-प्राथमिक शिक्षा और जेंडर पर प्रशिक्षण दिया गया, ताकि बच्चों के विकास के लिए सुचारू रूप से कार्य किया जा सके।

275 अभिभावक समूह बनाए गए, जिनमें 2468 अभिभावकों को नियमित समय पर अलग अलग विषयों पर जानकारी दी गई। सभी समूहों के लिए व्हाट्स अप ग्रुप बनाकर हर माह सन्दर्भ सामग्री साझा की गई। दोनों ही ब्लाक के कार्यकर्ताओं के लिए कुआँथल में **'पहली पढ़ाई'** के नाम से एक मेले का आयोजन किया गया, जिसमें गुणवत्तापूर्ण पूर्व-प्राथमिक शिक्षा, पोषण और कौशल विकास से जुड़ी अनेक गतिविधियाँ शामिल की गई। मेले में ब्लॉक और जिला स्तरीय अधिकारियों, की भी सक्रीय भागीदारी रही। इस अवसर पर स्थानीय भामाशाहों को आंगनवाड़ी सशक्तिकरण में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह आयोजन शिक्षा, समुदायिक भागीदारी और आंगनवाड़ी प्रणालियों को मजबूत करने का शानदार उदाहरण बना, जिसमें प्रभावी नेटवर्किंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।



परियोजना के प्रयासों का सार्थक परिणाम



केंद्र खुलने की दर में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई, जो 91% से बढ़कर 98% तक पहुँच गई, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि अधिक से अधिक बच्चे शिक्षा केंद्रों तक पहुँच सकें। केंद्र की उपलब्धता बढ़ने के साथ ही **बच्चों की उपस्थिति** में भी सराहनीय वृद्धि दर्ज की गई, जहाँ लड़कों की उपस्थिति दर 44% से बढ़कर 72% हुई, वहीं लड़कियों की उपस्थिति दर 46% से बढ़कर 74% तक पहुँच गई। उपस्थिति में यह उछाल बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के प्रयासों से भी प्रेरित हुआ, जो 80% से बढ़कर 97% के स्तर तक पहुँची, जो केंद्र पर बच्चों की बढाती उपस्थिति के साथ ही नियमित ठहराव को भी प्रदर्शित करने वाली रही। इन सभी सकारात्मक बदलावों का संयुक्त प्रभाव बच्चों के सीखने की क्षमता पर पड़ा, जिसके चलते उनकी सीखने की क्षमता की दर में लगभग दोगुनी वृद्धि दर्ज की गई, जो यह दर्शाता है कि ये प्रयास बच्चों के समग्र विकास और शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने में सफल रहे, साथ ही विभागीय स्तर पर इसे सराहना मिली।



दूर-दराज क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा के लिए अनूठा - एजुकेशन नेस्ट

सहयोग - टेक फायर फ्लाई

यह पहल कोटड़ा क्षेत्र के सिविडिया और खेडा में स्थित दो प्राथमिक विद्यालयों में 6 से 14 वर्ष आयु के बच्चों के लिए संचालित है। परियोजना का मूल उद्देश्य समुदाय और अभिभावकों के बीच ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहाँ वे सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से बच्चों की शिक्षा से जुड़ाव महसूस करें और उनके सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाएँ। परियोजना का व्यापक लक्ष्य शिक्षा के माहौल में सुधार करना, स्कूल छोड़ चुके बच्चों को पुनः विद्यालय से जोड़ना, समुदाय में जागरूकता बढ़ाना और भाषा, विज्ञान तथा गणित जैसे विषयों में छात्रों के सीखने के स्तर एवं परीक्षा परिणामों में सार्थक सुधार लाना है। वर्ष 2024-25 के लिए परियोजना के अंतर्गत इन दो विद्यालयों का चयन, नामांकन की स्थिति, स्कूलों में उपलब्ध मानव संसाधन तथा स्थानीय अधिकारियों और सामुदायिक नेताओं के सहयोग से किए गए आवश्यकता आकलन के आधार पर किया गया। सीखने की गुणवत्ता का सही आकलन सुनिश्चित करने के लिए बेसलाइन और एंडलाइन मूल्यांकन आयोजित किए गए। मूल्यांकन परिणामों और पहचानी गई सीखने की कमियों के आधार पर पूरे वर्ष योजनाबद्ध तरीके से शिक्षण गतिविधियाँ संचालित की गईं, जिसके प्रभाव स्पष्ट रूप से छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में दिखाई दिए।



परियोजना की उपलब्धियों में सबसे उल्लेखनीय यह रहा कि वर्ष के अंत में चार बच्चे एकलव्य विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय जैसे प्रतिष्ठित आवासीय विद्यालयों में प्रवेश पा सके। यह उपलब्धि न केवल बच्चों की व्यक्तिगत मेहनत को दर्शाती है बल्कि परियोजना के समग्र सकारात्मक प्रभाव की भी पुष्टि करती है।

सिर्फ छात्रों तक ही सीमित न रहकर, परियोजना के अंतर्गत शिक्षकों के लिए भी क्षमता निर्माण कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनमें बहुस्तरीय शिक्षण, कक्षा प्रबंधन, और शैक्षणिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। सीखने के माहौल को और अधिक समृद्ध बनाने के लिए विद्यालयों में पुस्तकालय और खेल-कूद के कोने स्थापित किए गए, जिससे बच्चों को विविधतापूर्ण सीखने के अवसर मिले।

साथ ही, स्कूल और समुदाय के बीच मजबूत साझेदारी विकसित करने के लिए नियमित रूप से अभिभावक-शिक्षक बैठकें (PTM) और स्कूल प्रबंधन समिति (SMC) की बैठकें आयोजित की गईं।

इन बैठकों के माध्यम से न केवल बच्चों की प्रगति साझा की गई, बल्कि समुदाय को शिक्षा व्यवस्था की बेहतर समझ और उसमें उनकी भूमिका के प्रति संवेदनशील भी बनाया गया। इस प्रकार, परियोजना ने शिक्षा के सुधार की दिशा में विद्यालय, शिक्षक, समुदाय और बच्चों — सभी को एक साझा मंच पर लाकर एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है।

बच्चों के समग्र विकास के लिए बाल विकास परियोजना

सहयोग - चाइल्डफण्ड इंटरनेशनल

गोगुंदा ब्लॉक के 13 पंचायतों के 38 गाँवों में संचालित यह कार्यक्रम बच्चों और युवाओं की विभिन्न ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए तीन विकासात्मक चरणों में काम कर रहा है –

लाइफ स्टेज 1 (0–5 वर्ष आयुवर्ग के लिए)

लाइफ स्टेज 2 (6–14 वर्ष आयुवर्ग के लिए)

लाइफ स्टेज 3 (15–23 वर्ष आयुवर्ग के लिए)

LS1 (0–5 वर्ष): प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास

इस चरण में 151 बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण और प्रारंभिक सीखने पर फोकस किया गया। अभिभावकों की क्षमता वृद्धि, सामाजिक-भावनात्मक विकास, और संज्ञानात्मक विकास के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

LS2 (6–14 वर्ष): आधारभूत शिक्षा और जीवन कौशल

1581 बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने, स्कूलों में पहुँच बढ़ाने और जीवन कौशल विकसित करने पर कार्य किया गया। 20 PENCIL केंद्रों के माध्यम से खेल आधारित शिक्षण, शिक्षण सामग्री वितरण, और अवकाश में भी पढ़ाई सुनिश्चित की गई। माध्यमिक स्तर के लिए 5 STEM लैब्स, 5 स्मार्ट क्लासरूम और 5 पुस्तकालय स्थापित किए गए। विज्ञान-गणित शिक्षकों का प्रशिक्षण, छात्रों के लिए एक्सपोज़र ट्रिप और नवाचार को बढ़ावा दिया गया।

LS3 (15–23 वर्ष): कौशल विकास और आजीविका

161 युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण, डिजिटल साक्षरता, कैरियर काउंसलिंग, और सरकारी योजनाओं से जोड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में काम किया गया। 25 किसान परिवारों को पशुपालन और कुक्कुट पालन पर वैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया गया।

स्वास्थ्य

60 से ज्यादा किशोर-किशोरियों को SRHR (यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य अधिकार) पर प्रशिक्षित किया गया। जिनमे माहवारी, यौनिकता, और इससे सम्बंधित स्वच्छता पे जोर देते हुए यह प्रशिक्षण की गई। महिलाओं और किशोरियों को सूती सैनेटरी पैड उपलब्ध कराए गए।

शिक्षा

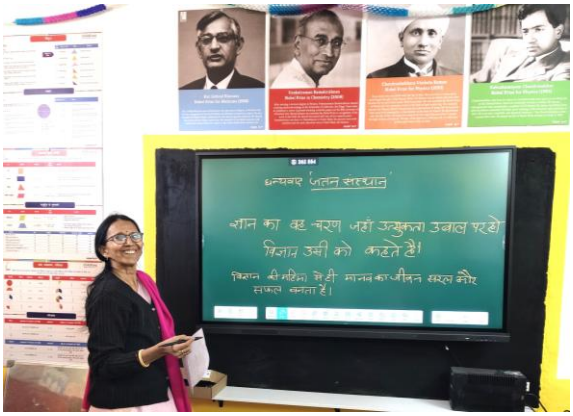
20 PENCIL केंद्रों में कक्षा 1–5 तक के बच्चों को खेल और अनुभव आधारित पद्धति से पढ़ाया गया। 7 सरकारी स्कूलों में आवश्यकतानुसार TLM (शिक्षण सामग्री) प्रदान की गई। 5 स्कूलों में STEM प्रयोगशालाएँ स्थापित कर प्रयोग आधारित विज्ञान और गणित की पढ़ाई करवाई गई।

बाल संरक्षण

"Sports for Protection (S4P)" कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में आत्म-जागरूकता, टीमवर्क और संवाद कौशल बढ़ाए गए। 8 समूहों में साप्ताहिक खेल सत्र आयोजित किए गए जो बच्चों को सुरक्षित और आत्मनिर्भर वातावरण प्रदान करते हैं।

आजीविका

युवाओं को वित्तीय साक्षरता, जीवन कौशल और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। 20 किशोरों को RS-CIT कंप्यूटर कोर्स में दाखिला दिलाया गया। 25 किसानों को पोषण, टीकाकरण और बीमारी रोकथाम जैसे विषयों पर वैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया गया।







बाल अधिकारों की रक्षा के लिए - एक्सेस टू जस्टिस

सहयोग : कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन



यह परियोजना बच्चों की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों को लागू करने में आने वाली चुनौतियों, जैसे मानव संसाधन क्षमता की कमी और गुणवत्ता निवारण सेवाओं की कमी को दूर करने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य बच्चों के खिलाफ हिंसा, दुर्व्यवहार और शोषण जैसी समस्याओं का समाधान करना, प्रशासन के सामूहिक प्रयासों से बाल विवाह की रोकथाम करना, जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बाल श्रम के मामलों में कमी लाना, सामुदायिक प्रयासों और हितधारकों के हस्तक्षेप से बाल यौन शोषण पर कार्य करना और जागरूकता लाना है।

यह परियोजना राजसमन्द जिले के 4 ब्लॉक की 14 पंचायत के 50 गाँव और ब्यावर जिले के 4 ब्लॉक की 14 पंचायत के 50 गाँव में संचालित किया जा रहा है।

परियोजना के तहत सत्र 2024-25 में किये गए महत्वपूर्ण कार्य और उपलब्धियां

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान राजसमन्द और ब्यावर जिलों में विभिन्न विभागों के समन्वय से शपथ कार्यक्रम और मशाल अभियान आयोजित किए गए, जिससे लगभग 1,75,000 लोगों तक परियोजना की पहुँच बनी।

मानव तस्करी विरोधी दल : त्रैमासिक बैठकों में बाल यौन शोषण, बाल विवाह, और बाल मजदूरी के मुद्दों पर सक्रिय भागीदारी दर्ज की गई।

नेटवर्किंग, समन्वय और पैरवी : परियोजना का कार्य विभिन्न हितधारकों, जैसे - जिला कलक्टर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला पुलिस अधीक्षक, उपखंड अधिकारी, बाल अधिकारिता विभाग, बाल कल्याण समिति, शिक्षा और श्रम विभाग, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आदि के समन्वय में किया गया और इन लोगो के साथ विभिन्न-विभिन्न स्तर जिला, ब्लाक और गाँव स्तर पर विभिन्न स्तर पर क़ानूनी सहायत ली गई। स्थानीय स्तर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत बाल विवाह नहीं करने और नहीं करवाने का संकल्प दोहराया गया और शपथ दिलवाई गई।

आंगनवाड़ी सेवाओं और ढांचागत स्थिति को बेहतर बनाता - नन्दघर

सहयोग – वेदांता, अनिल अग्रवाल फाउंडेशन और महिला एवं बाल विकास विभाग

नंद घर आधुनिक एवं पुनर्निर्मित आंगनवाड़ियों का एक नेटवर्क है, जो पोषण पहल, डिजिटल प्रारंभिक बाल शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच और महिला सशक्तिकरण के अवसरों के माध्यम से विकास के अवसर प्रदान करता है। भारत के 17 राज्यों में 11,000 से अधिक आंगनवाडियों को नंद घर के रूप में करते हुए निर्माण कार्य पूरा किया गया है जिनमें से राजस्थान के 33 जिलों में 7,000 से भी अधिक नंद घर तैयार हैं। जतन संस्थान द्वारा राजस्थान राज्य के जयपुर, बाड़मेर, भीलवाड़ा, राजसमन्द, उदयपुर, सलुम्बर जिले और महाराष्ट्र में ठाणे के 643 नंदघर पर परियोजना का संचालन किया जा रहा है।



नंदघर में बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, और पोषण परामर्श सेवाएँ उपलब्ध करवाई जाती हैं साथ ही आंगनवाड़ी सेवाओं के प्रति समुदाय की जागरूकता बढ़ाने और समुदाय के सदस्यों में सकारात्मक स्वास्थ्य-संबंधी व्यवहार विकसित करने का कार्य भी किया जाता है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जतन संस्थान द्वारा फील्ड टीम के माध्यम से सहयोगात्मक पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन (प्रत्येक 25 नंद घरों पर 1 मानव संसाधन) प्रदान करने के साथ नंदघर में आने वाले 13000+ से भी अधिक बच्चों के साथ कार्य किया जा रहा हैं। अभिभावकों के साथ नियमित बैठकों का आयोजन कर, बच्चों के विकास और पोषण पर चर्चा होती है और सभी नंदघर पर अभिभावकों के WhatsApp ग्रुप निर्माण कर नंदघर की सेवाओं से अवगत करवाया जा रहा है।

विभिन्न आयोजनों के माध्यम से नंद घरों की सामुदायिक स्वामित्व को बढ़ावा देते हुए समुदाय से भामाशाह (दानदाता) तैयार किये जा रहे हैं जिसका परिणाम यह हुआ है कि इस वर्ष भामाशाह के माध्यम से 163380/- रूपये की सामग्री नंदघर के लिए प्राप्त हो सकी है।

सामुदायिक सहभागिता बढाने के लिए प्रत्येक नंदघर पर निगरानी समिति का और नंदघर की सेवाओं के बेहतर सञ्चालन के लिए पंचायत और विभाग के साथ जरुरी मुद्दों पर पैरवी करने का कार्य भी किया जा रहा है। ईसीसीई (प्रारंभिक बाल देखभाल एवं शिक्षा) शिक्षण सामग्री के लिए 625 एलईडी टीवी लगवाए गए हैं। 518 नंद घरों का औपचारिक हस्तांतरण महिला और बाल विकास विभाग को किया गया। इसके लिए सांसद महारानी मेवाड़ महिमा कँवर, नाथद्वारा विधायक महाराणा मेवाड़ विश्वराज सिंह व राजसमन्द विधायक दिप्ति किरण महेशवरी का सहयोग लेते हुए उनके द्वारा जिला और ब्लॉक स्तर पर नंदघर हस्तांतरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

किशोर-किशोरियों और युवाओं के मुद्दे



अनवरत शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध - दिगंत

सहयोग – एजुकेट फॉर लाइफ UK

राजस्थान के कोटड़ा ब्लॉक की 2 ग्रामीण माध्यमिक विद्यालयों को सशक्त शिक्षण केंद्रों में रूपांतरित करने की एक पहल है दिगंत परियोजना, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को आधार मनाता है। इस परियोजना का उद्देश्य शिक्षकों के सहयोग, समुदाय की भागीदारी और मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान कर यह सुनिश्चित करना है कि वे केवल स्कूल की पढ़ाई पूरी ही न करें, बल्कि उससे आगे भी जीवन में सफल हों।

कोटड़ा, एक सुदूरवर्ती जनजातीय क्षेत्र है जहाँ केवल 26.58% साक्षरता दर (जनगणना 2011) है और 15 से 24 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 45% युवा ऐसे हैं जो कभी स्कूल नहीं गए (2022 गांव सर्वेक्षण)। लड़कियों की स्थिति तो और भी चिंताजनक है, 60% लड़कियाँ कभी स्कूल नहीं गईं। नामांकित छात्रों में भी ड्रॉपआउट एक बड़ी चुनौती है, प्राथमिक स्तर पर 14% और माध्यमिक स्तर पर 29% छात्र स्कूल छोड़ देते हैं (UDISE+ 2021–22)।

परियोजना के अंतर्गत किए गए प्रयास

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए ग्रेड अनुसार बच्चो को नियमित अध्ययन से जोड़ा गया।
- 8वीं कक्षा के अधिकांश बच्चों के साथ 'बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता' पर ध्यान दिया गया।
- बच्चों को सम्प्रेषण, डिजिटल स्किल, लीडरशिप आदि स्किल से जोड़ा गया।
- झेड़ और मांडवा स्कूलों की बोर्ड परीक्षा परिणाम में बहुत सुधार लाया गया -

  बारहवीं कक्षा का परिणाम
- झेड़ स्कूल से बोर्ड परीक्षा में 100% विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की।
- मांडवा स्कूल से 96% विद्यार्थियों ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की, जो शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की मेहनत को दर्शाता है।

  दसवीं कक्षा का परिणाम
- झेड़ स्कूल में दसवीं कक्षा के 95% विद्यार्थी सफल हुए।
- मांडवा स्कूल से 77% विद्यार्थियों ने दसवीं की बोर्ड परीक्षा में सफलता पाई।

परियोजना की अन्य प्रमुख उपलब्धियां

- 77% विद्यार्थियों ने बुनियादी साक्षरता (Foundational Literacy), संख्यात्मक ज्ञान (Numeracy), या जीवन कौशल (Life Skills) में कम से कम एक मापनीय सुधार (measurable improvement) दिखाया है, जो उनकी समग्र प्रगति को दर्शाता है।
- झेड़ स्कूल के एक पूर्व छात्र को अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से पूर्ण स्नातक छात्रवृत्ति (full graduation scholarship) प्राप्त हुई, जो न केवल विद्यार्थी की उत्कृष्टता को दर्शाता है, बल्कि यह परियोजना की दीर्घकालीन प्रभावशीलता और अवसर सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।
- विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) ने छात्रों के साथ मिलकर बालिकाओं के लिए शौचालय निर्माण की पैरवी की और इसे संभव बनाया—यह समुदाय द्वारा संचालित पहल का एक महत्वपूर्ण उदाहरण बना

कुपोषण से निपटने को तैयार होती - स्वस्थ पीढ़ी

सहयोग – सत्वा एवं हरिश बीना शाह फाउंडेशन

यह परियोजना राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ ब्लॉक एवं सिरोही जिले के पिंडवाड़ा ब्लॉक की कुल 205 ग्राम पंचायतों में संचालित की जा रही है। यह परियोजना महिलाओं, बच्चों एवं किशोरियों में व्याप्त कुपोषण की समस्या से निपटने हेतु "जीवन चक्र दृष्टिकोण (Life Cycle Approach)" पर आधारित है, जिसका उद्देश्य पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाले कुपोषण के चक्र को तोड़ना है। गई। परियोजना के अंतर्गत 16,921 बच्चों, 13,573 माताओं तथा 2,870 महिलाओं एवं किशोरियों तक सीधी पहुँच बनाई जा रही है। आईसीडीएस एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए समुदाय स्तर पर पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं उपयोग को सुदृढ़ किया जा रहा है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य पिंडवाड़ा एवं कुंभलगढ़ ब्लॉकों में चिन्हित 80% कुपोषित बच्चों की पोषण स्थिति में सुधार करना, किशोर-किशोरियों एवं युवाओं में स्वास्थ्य संबंधी सकारात्मक व्यवहार विकसित करना तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं की पहुँच एवं उपयोग को बढ़ाना है।

उपलब्धियां

- 6 से 59 माह आयु वर्ग के कुल 16,921 बच्चों की एमयूएसी टेप के माध्यम से स्क्रीनिंग की गई। स्क्रीनिंग के पश्चात 807 बच्चों को गंभीर कुपोषण (SAM) एवं 1,062 बच्चों को मध्यम कुपोषण (MAM) की श्रेणी में चिन्हित किया गया।
- इन बच्चों के लिए सामुदायिक स्तर पर तीव्र कुपोषण प्रबंधन (CMAM) रणनीति अपनाई गई। कुंभलगढ़ ब्लॉक मेंइन बच्चों का कैंप के माध्यम से प्रत्यक्ष उपचार किया गया, जबकि पिंडवाड़ा ब्लॉक में निरंतर स्क्रीनिंग, परामर्श, रेफरल एवं पोषण रेसिपी डेमो के माध्यम से किया गया।
- इसके परिणामस्वरूप 86% SAM बच्चों की स्थिति में सुधार हुआ, जिनमें 58% बच्चे SAM से MAM में एवं 27% बच्चे सामान्य पोषण स्थिति में पहुँच पाए।
- जटिल मामलों वाले 22 बच्चों को माल्न्यूट्रिशन ट्रीटमेंट सेंटर (MTC) में रेफर किया गया।
- मध्यम कुपोषित बच्चों के लिए पॉजिटिव डिविएंस (PD) हर्थ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत 28 PD केंद्रों के माध्यम से 469 बच्चों तक पहुँच बनाई गई। इनमें से 36% बच्चे सामान्य पोषण स्थिति में आए, जबकि केवल 2% बच्चों की स्थिति गंभीर हुई जिन्हें समय रहते उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर किया गया।
- मातृ स्वास्थ्य एवं पोषण सुधार हेतु कुल 197 मातृ समूहों का गठन किया गया, जिनसे 2,364 महिलाएँ जुड़ीं। इन समूहों के माध्यम से शिशु एवं बाल आहार, गर्भावस्था देखभाल, परिवार नियोजन, मासिक धर्म स्वच्छता एवं पोषण संबंधी विषयों पर नियमित बैठकें आयोजित की गईं।
- किशोरियों के समग्र विकास हेतु 200 किशोरी समूहों का गठन किया गया, जिनसे 2,870 किशोरियाँ जुड़ीं। इन समूहों के माध्यम से एनीमिया, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, बाल विवाह, जीवन कौशल एवं लैंगिक समानता जैसे विषयों पर मासिक बैठकें आयोजित की जा गई।
- चयनित किशोरियों को पीयर एजुकेटर के रूप में प्रशिक्षित कर 65 सोशल एक्शन प्रोजेक्ट संचालित किए गए, जिनके माध्यम से 980 अतिरिक्त किशोरियों तक स्वास्थ्य और पोषण सम्बन्धी जानकारी पहुँचाई गई।

- 18 किशोरी स्वास्थ्य दिवस (AHD) आयोजित किए गए, जिनमें 459 किशोरियों की स्वास्थ्य जांच की गई। जांच में बड़ी संख्या में किशोरियाँ गंभीर रूप से कम वजन एवं एनीमिया से ग्रसित पाई गईं। इसके समाधान हेतु आयरन-फोलिक एसिड वितरण, सैनिटरी नैपकिन वितरण, स्वास्थ्य परामर्श एवं आवश्यक रेफरल की व्यवस्था की गई।
-
- सामुदायिक स्तर पर क्षमता निर्माण के अंतर्गत 308 किशोरी पीयर एजुकेटर, 264 लीड माताएँ, 211 आशा कार्यकर्ता, 57 एएनएम एवं 196 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन प्रशिक्षणों ने पोषण, CMAM, PD हर्थ एवं किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ किया।
- इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय स्तनपान सप्ताह एवं पोषण माह जैसे जनजागरूकता अभियानों के माध्यम से हजारों माताओं, किशोरियों, पुरुषों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इन अभियानों ने समुदाय में पोषण को एक सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
-







किशोरों को समता और संवेदनशीलता का सबक सिखाती - सहयोगी परियोजना

सहयोग – यूनिसेफ जयपुर

यह परियोजना मुख्य रूप से किशोरों, अभिभावकों और समुदाय के विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर जेंडर समानता, सकारात्मक पुरुषत्व, बाल सुरक्षा और हिंसा-मुक्त वातावरण को बढ़ावा देना के लिए कार्य कर रही है। यह परियोजना गोगुन्दा ब्लॉक की 10 पंचायतों के 30 गाँवों में संचालित की जा रही है। परियोजना का फोकस किशोरों को संवेदनशील, जिम्मेदार और सहयोगी नागरिक के रूप में विकसित करना तथा समुदाय में स्थायी सामाजिक बदलाव की नींव रखना है। परियोजना का मुख्य उदेश्य किशोरों में सकारात्मक पुरुषत्व एवं जेंडर-संवेदनशील व्यवहार विकसित करना, अभिभावकों में सकारात्मक परवरिश को बढ़ावा देना, समुदाय एवं संस्थागत हितधारकों की क्षमता निर्माण व बाल सुरक्षा, बालिका शिक्षा और जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम करने का प्रयास करना है।

प्रमुख गतिविधियाँ

किशोर समूह बैठकें – कच्ची धूप मॉड्यूल

30 किशोर समूहों के साथ वर्ष भर में कुल 720 किशोर बैठकें आयोजित की गई। इन बैठकों में जेंडर समानता, भावनाओं की समझ, हिंसा की पहचान, रिश्तों और जिम्मेदार नागरिकता जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किये गए। खेल, समूह चर्चा और गतिविधि आधारित सत्रों के माध्यम से किशोरों में व्यवहारिक बदलाव देखने को मिला।

अभिभावक बैठकें – पक्की परवरिश कार्यक्रम

30 अभिभावक समूहों के साथ कुल 360 अभिभावक बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में लड़का–लड़की की समान परवरिश, अपने बच्चों के साथ नियमित संवाद, गुस्से का प्रबंधन, किशोर कानून और डिजिटल सुरक्षा जैसे जरुरी विषयों पर चर्चा की गई।



ब्लॉक स्तरीय अभिभावक संवाद

ब्लॉक स्तर पर आयोजित अभिभावक संवाद कार्यक्रम में 92 से अधिक अभिभावकों ने भाग लिया। कठपुतली शो, साझा अनुभव और संवाद सत्रों के माध्यम से सकारात्मक परवरिश को समझा गया।

धर्मगुरु संवाद – बालिका शिक्षा एवं जेंडर समानता

30 गाँवों के 87 धर्मगुरुओं के साथ संवाद आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बालिका शिक्षा, पितृसत्ता और जेंडर आधारित भेदभाव पर चर्चा की।

विद्यालय एवं कॉलेज स्तर की गतिविधियाँ

स्थानीय विद्यालयों में आयोजित निपुण मेला, मीना–राजू मंच , और गार्गी मंच बैठकों का आयोजन, माहवारी स्वच्छता एवं जेंडर समानता सत्र का आयोजन किया गया। इसी प्रकार उदयपुर स्कूल ऑफ़ सोशल वर्क, गोगुन्दा और रेलमगरा राजसमन्द के स्थानीय महाविद्यालयों में Conversation Matters फिल्म स्क्रीनिंग कर चर्चा आयोजित की गई जिनमे 300 से भी अधिक युवाओं ने भाग लिया।

15 दिवसीय जेंडर आधारित हिंसा विरोधी अभियान

25 नवंबर से 10 दिसंबर तक 30 गाँवों और 20 विद्यालयों में अभियान संचालित किया गया। रैली, फिल्म शो, पोस्टर कार्यशाला, चौपाल और वेबिनार के माध्यम से 946 लोगों तक पहुँच बनाई गई।

बाल सुरक्षा सप्ताह

बाल सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत बाल अधिकार, 1098 हेल्पलाइन, बाल मजदूरी और बाल विवाह पर केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित की गईं जिसमे इन विषयों पर विस्तार से जागरूगता की गई ।

किशोर-किशोरियों के लिए 5 दिवसीय थिएटर कार्यशाला

30 किशोरों के साथ आयोजित इस कार्यशाला ने बच्चों में आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति और नेतृत्व क्षमता विकसित की गई। सामाजिक मुद्दों पर गाँवों में आयोजित नाटकों के माध्यम से समुदाय में संदेश पहुँचा।

किशोरों द्वारा सोशल एक्शन प्रोजेक्ट

किशोर समूहों ने सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, बाल विवाह रोकथाम, स्वच्छता, हिंसा विरोध और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर 13 से अधिक सामाजिक अभियान संचालित किये गए।



युवाओं को अपने अधिकार और कर्तव्यों का बोध करवाता - समझो तो

सहयोग – कम्युटिनी द यूथ कलेक्टिव

राजसमन्द के खमनोर और उदयपुर के गोगुन्दा ब्लॉक में कम्युटिनी के सहयोग से "समझो तो - द संविधान लाइव" कार्यक्रम संचालित किया गया। इस पहल का उद्देश्य किशोर–किशोरियों में संविधान की समझ विकसित करना, संवाद की संस्कृति को सशक्त बनाना तथा बंधुता के मूल्यों को व्यवहार में उतारना था।



15–17 वर्ष आयु वर्ग के 80 किशोर–किशोरियों का चयन कर 24 अड्डों की संरचित प्रक्रिया के माध्यम से संवाद, आलोचनात्मक सोच, समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बहुविध दृष्टिकोण पर कार्य किया गया। गीत निर्माण, कहानियों का विश्लेषण, संविधान चेकर, प्लूटोरी चेकर और फ्रेटरनिटी लैब जैसी गतिविधियों ने युवाओं के आत्मविश्वास, नेतृत्व व सामाजिक समझ को मजबूत किया। कार्यक्रम के दौरान "परिवर्तन लैब" का गठन हुआ, जो आज भी युवाओं के लिए सुरक्षित संवाद मंच है। समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल विवाह जैसे मुद्दों पर 6 मोहल्ला सभाएँ आयोजित की गईं, जिससे 500 से अधिक समुदाय सदस्य जुड़े।

एंडलाइन मूल्यांकन में संविधान संबंधी समझ, संवाद कौशल और नेतृत्व क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि सामने आई। यह कार्यक्रम प्रशिक्षण से आगे बढ़कर युवाओं के लिए आत्म-चिंतन, वैचारिक विस्तार और सामुदायिक नेतृत्व की परिवर्तनकारी यात्रा सिद्ध हुआ।

"मेरे भीतर का बदलाव ही मेरा सच है" – योगिता राजपूत और सोसर मेघवाल

खमनोर ब्लॉक के गोलाया गाँव की योगिता राजपूत पहले संकोची थीं और सामाजिक धारणाओं में बंधी हुई थीं। विद्यालय में जतन संस्थान के "समझो तो – द संविधान लाइव डायलॉग" कार्यक्रम से जुड़ने के बाद उन्होंने समानता, सम्मान और न्याय का अर्थ समझा। एक गतिविधि ने उन्हें जातिगत भेदभाव पर सोचने को मजबूर किया और यहीं से उनके भीतर बदलाव शुरू हुआ। आज योगिता सभी के साथ बैठती हैं, खुलकर बात करती हैं और अपने साथियों को भी बराबरी का महत्व समझाती हैं। अब योगिता का सपना राजनीति विज्ञान की शिक्षिका बनकर गाँव की लड़कियों को यह बताना है कि संविधान केवल एक किताब ही नहीं बल्कि बराबरी के जीवन की राह है।

इसी तरह गोगुन्दा की कक्षा 12 में पढने वाली सोसर मेघवाल ने इस कार्यक्रम से जुड़ कर अपनी सामाजिक ज़िम्मेदारी को समझा और अपने गाँव की उन 8 किशोरियों को पुनः विद्यालय से जोड़ा जो स्कूल से ड्रॉप आउट हो चुकी थीं। अब ये किशोरियां अपनी पढाई से नियमित रूप से जुडी हुई हैं।

बाल विवाह के विरुद्ध किशोरियों की प्रतिबद्धता

Support - terre des hommes (TDH)



अजमेर, राजसमंद और भीलवाड़ा की 30 पंचायतों में चल रहे है, जिसका मूल उद्देश्य किशोर-किशोरियों को बहुआयामी रूप से सशक्त करना है ताकि वे स्वयं बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं का हिस्सा न बनें और समाज में बाल विवाह को समाप्त करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर सकें, इसके अतिरिक्त वे इतने सक्षम और सशक्त हो जाएँ कि अपने लिए भी कुछ (आत्मनिर्भरता हेतु) कर पाएँ। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु, चुनिंदा गाँवों में एडोलेसेंट रिसोर्स सेंटर की स्थापना की गई है, जिसके तहत 30 पंचायतों में कुल 30 ARC स्थापित किए गए हैं; इन केंद्रों को डिजिटल उपकरणों, फर्नीचर और एक सुरक्षित वातावरण से सुसज्जित किया गया है ताकि किशोर-किशोरियों को सीखने का बेहतर माहौल मिल सके, और यहीं पर विभिन्न कौशल पर सत्र लिए जाते हैं। इन संगठित प्रयासों के परिणामस्वरूप, वर्तमान में 900 किशोरियाँ और 530 किशोर इन स्थापित ARC से नियमित रूप से जुड़े हुए हैं और लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रमुख गतिविधियाँ

- परियोजना शुरू होने से पहले ३० पंचायत जो इस परियोजना का क्षेत्र है, वहां बेसलाइन की गई ताकि परियोजना क्षेत्रो में विद्यमान समस्या को जान पाए। इसके साथ ही इस परियोजना के जरिए अलग-अलग गतिविधियों को संचालित की गई, जिसमें किशोर लड़कों के साथ काम करने पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसके तहत 446 लड़कों के साथ लैंगिक समानता, बाल विवाह और हिंसा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर 15 सत्र आयोजित किए गए।
- इसके अतिरिक्त, स्कूल में पुनः नामांकन के उद्देश्य से रैलियों, नाटकों और पोस्टरों का उपयोग करते हुए 693 लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुँच बनाई गई, जिसके परिणामस्वरूप कई बालिकाओं का सफलतापूर्वक पुनः स्कूल में नामांकन कराया गया।
- खेल एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए, सभी ARC (Adolescent Resource Centers) में खेल सामग्री वितरित की गई और ब्लॉक स्तर पर खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- परियोजना की सफलता में अभिभावकों की सहभागिता भी महत्वपूर्ण रही, जहाँ 419 माताएँ नियमित बैठकों में शामिल हुईं और कार्यकर्ताओं द्वारा 1,466 घरों का व्यक्तिगत विजित किया गया।
- इन प्रमुख गतिविधियों के अलावा, अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में परियोजना, कार्यशाला आयोजन, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन, पुलिस के सहयोग से आत्मरक्षा प्रशिक्षण, और ARC में नियमित कला, डिजिटल शिक्षा, जीवन कौशल और जेंडर आधारित गतिविधियों का संचालन किया गया था।
- यह परियोजना टी.डी.एच. (Terre des Hommes Germany) के सहयोग और मार्गदर्शन में राजसमन्द जिले के खमनोर ब्लाक के 6 गांवों (मचीन्द, कराई, छोटा भाणुजा, मलीदा, नेडच, कागमदारादा) में संचालित की जा रही है।

- जतन संस्थान द्वारा खमनोर ब्लॉक के चयनित छह गाँवों में किशोरियों के सशक्तिकरण और बाल विवाह रोकथाम हेतु नियमित किशोरी समूह बैठकों, जीवन कौशल प्रशिक्षण, स्टेकहोल्डर संलग्नता तथा जिला स्तरीय exposure कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन किया गया। प्रत्येक गाँव में प्रति माह आयोजित बैठकों में किशोरियों को संस्थान की जानकारी, समूह में सहभागिता, बैठक के नियम, जीवन कौशल (आत्मानुभूति, सहानुभूति, समस्या-समाधान, निर्णय-निर्माण, संवाद कौशल, नेतृत्व विकास आदि) से परिचित कराया गया। चैंपियन किशोरियों ने बैठकों की योजना, संचालन तथा अनियमित सदस्याओं को समूह से जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभाई। छह समूहों की 120 किशोरियों को मासिक जीवन कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें बाल विवाह, जेंडर समझ, कानून, विभागीय योजनाएँ, साइबर क्राइम एवं जिम्मेदार नागरिकता जैसे विषय सम्मिलित रहे।
- किशोरी संदर्भ केंद्रों पर शिक्षा, खेल, सिलाई-कढ़ाई तथा रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से किशोरियों में आत्मविश्वास एवं निर्णय क्षमता विकसित हुई। समूहों द्वारा अपने गाँव को बाल हितेषी पंचायत बनाने हेतु सामाजिक कार्रवाई (सोशल एक्शन) करते हुए पंचायतों को पत्र सौंपे गए और GPDP में बाल विवाह रोकथाम के प्रस्ताव शामिल करवाए गए। चयनित गाँवों में हितधारक समितियाँ गठित कर सरपंच, शिक्षकों, स्वास्थ्य कर्मियों, SHG सदस्यों, युवाओं और अभिभावकों को बाल विवाह के दुष्प्रभाव, लिंग समानता और समुदाय की जिम्मेदारियों पर उन्मुख किया गया।
- जिला स्तरीय किशोरी संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत 6 गाँवों की चैंपियन किशोरियों को कलेक्ट्रेट, पुलिस, विधिक सेवा प्राधिकरण, साईबर थाना और अन्य विभागों से परिचित करवाया गया, जहाँ अधिकारियों ने उनके प्रश्नों का समाधान करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। दो दिवसीय किशोरी समागम में किशोरियों ने अपने सपनों, गाँव में किए गए सोशल एक्शन, समूह नेतृत्व और बाल विवाह रोकथाम के लिए रणनीतियों पर चर्चा की तथा नारे लेखन, खेल, फिल्म सत्र, नाटक और पत्र लेखन जैसी गतिविधियों में भाग लिया।
- इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप किशोरियों का आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता बढ़ी है, बाल विवाह के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई है, और समूहों ने अपने परिवारों व समुदाय में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए हैं। किशोरियाँ अब अपने अधिकारों, शिक्षा के महत्व और बाल विवाह जैसे मुद्दों पर खुलकर आवाज उठा रही हैं तथा पंचायत और समुदाय के साथ मिलकर अपने गाँव को बाल विवाह मुक्त बनाने की दिशा में सतत प्रयासरत हैं।





महिलाओं के मुद्दे



स्वस्थ माँ, स्वस्थ बच्चे के लिए - राजपुष्ट

सहयोग - चिल्ड्रन इन्वेस्टमेंट फंड फाउंडेशन (CIFF) और ICDS विभाग

उदयपुर जिले के 11 विकास खण्डों की 3175 आंगनवाड़ी केंद्रों में यह परियोजना संचालित की जा रही है। यह परियोजना गर्भवती और धात्री महिलाओं, 2 वर्ष तक के बच्चों और परिवार के सदस्यों के लिए संचालित है ताकि पोषण, स्वास्थ्य और देखभाल संबंधी व्यवहार में सुधार हो सके। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चे के जन्म के दौरान कम वजन और कुपोषण की दर में कमी लाना और योग्य महिलाओं को मातृत्व योजनाओं जैसे कि मुख्यमंत्री मातृत्व सहयोग योजना (MMMPY) और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) से जोड़ा जाना है, जिससे उन्हें आर्थिक और पोषण संबंधी सहायता मिल सके। इन कार्यों के तहत कुपोषित बच्चों की सक्रिय पहचान करते हुए और उनके स्वास्थ्य में सुधार सुनिश्चित करने के लिए नियमित फॉलो-अप किया जाना है। अंततः, इन सभी प्रयासों का समग्र उद्देश्य मातृत्व एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं की सेवाओं तक प्रभावी पहुँच को सुनिश्चित करना है ताकि अधिकतम लाभार्थियों को लाभ मिल सके और कुपोषण को जड़ से समाप्त किया जा सके।

उपलब्धियां

पोषण पखवाड़ा : इस विशेष अवधि को सघन जागरूकता अभियान के रूप में मनाया गया। इसका उद्देश्य लोगों को संतुलित आहार, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता और स्वास्थ्य के बारे में शिक्षित करना था, जिससे पोषण स्तर में सुधार आ सके।

गाँव स्वास्थ्य पोषण दिवस और न्यूट्रीशन दिवस : गाँव स्तर पर आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता सेवाओं की डिलीवरी का एक मंच रहा। इसमें टीकाकरण, स्वास्थ्य जाँच, और पोषण संबंधी परामर्श जैसी गतिविधियाँ शामिल थीं। इस दिवस को विशेष रूप से पोषण संबंधी महत्वपूर्ण संदेशों को बढ़ावा देने और लोगों को पौष्टिक भोजन के लाभों के बारे में जानकारी देने के लिए मनाया गया।

गोद भराई : यह कार्यक्रम गर्भवती महिलाओं के लिए आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान सही पोषण, संस्थागत प्रसव का महत्व और आवश्यक स्वास्थ्य जाँच के बारे में जागरूकता बढ़ाना था, साथ ही उन्हें भावनात्मक समर्थन देना भी था।

अन्नप्राशन : यह कार्यक्रम शिशु के 6 महीने पूरे होने पर आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य माताओं को यह समझाना था कि 6 महीने पूरे होने के बाद स्तनपान के साथ-साथ पूरक आहार शुरू करना कितना महत्वपूर्ण है, और शिशु का आहार कैसा होना चाहिए।

इस क्षमतावर्धन से कार्यकर्ताओं को योजनाओं की विस्तृत जानकारी, लाभार्थियों की पहचान करने के तरीके, सेवाओं की सही डिलीवरी, और सामुदायिक मोबिलाइजेशन की तकनीकें समझने में मदद मिली जिसके परिणामस्वरूप कुल 2,73,940 लोगों का परामर्श (काउंसलिंग) किया गया, जिनमें 1,08,784 गर्भवती महिलाएँ, 64,478 धात्री माताएँ, और 1,06,131 अन्य माताएँ शामिल थीं। इसके अलावा, जो महिलाएँ पहले आंगनवाड़ी से नहीं जुड़ी थीं, उनका पंजीकरण 'राजपुष्ट ऐप' पर किया गया, जिससे लाभार्थियों तक पहुँच सुनिश्चित हुई। परामर्श की गुणवत्ता को निरंतर बेहतर बनाने के लिए साप्ताहिक समीक्षा बैठकों का आयोजन किया गया, और साथ ही PCTS (प्रेग्नेंसी केयर एंड ट्रैकिंग सिस्टम) के लंबित मामलों में कमी लाने के लिए ब्लॉक स्तर पर कड़ी निगरानी रखी गई।

महिला सलाह और सुरक्षा केंद्र

सहयोग- महिला अधिकारिता विभाग, (राज.)

डूंगरपुर, राजसमन्द और भीलवाड़ा जिलों के धम्बोला, मावली, देवगढ राजसमन्द और गंगापुर ब्लॉक में महिला थाने में संचालित 'महिला सुरक्षा और सलाह केंद्र' महिलाओं को परामर्श देने के साथ-साथ क़ानूनी सहायता उपलब्ध कराने में भी सहयोग देता है। इसके लिए संस्थान की ओर से हर एक केंद्र पर 2 परामर्शदाता नियुक्त किए गए हैं जिनमे, एक समाज कार्य विशेषज्ञ और दूसरा अधिवक्ता है। केंद्र द्वारा क़ानूनी कार्यवाई करने से पूर्व दोनों पक्षों को एक साथ बैठाकर सुलह करवाने को प्राथमिकता दी जाती है।

उपलब्धियां



वर्ष 2024-25 में जतन के 4 महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों पर कुल 861 प्रकरण (केस) प्राप्त हुए हैं जिनमें 855 प्रकरणों का निस्तारण हो गया है और 7 प्रकरण अभी प्रक्रियाधीन हैं।

केंद्र सलाहकारों द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह रोकथाम, मतदाता जागरूकता और बाल मज़दूरी रोको अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई गई।

इसके अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजन और सुरक्षा पखवाड़े के दौरान पुलिस विभाग के सहयोग से विद्यालयों में कानून की जानकारी साझा की। महिलाओं को कानून के प्रति जागरूक करने की दिशा में जाजम बैठकें आयोजित कर नरेगा साइट तथा पंचायत समिति भीम एवं देवगढ़ में विभिन्न कानून और महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र (MSSK) सेवाओं की जानकारी दी।

प्रशासनिक समन्वयन के अंतर्गत जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठकों का आयोजन किया गया। केंद्र द्वारा किये जा रहे उत्कृष्ट कार्य के लिए एस.डी.एम. देवगढ़ द्वारा ब्लॉक स्तर पर परामर्शदाताओं को सम्मानित किया गया।

सत्र 2024-25 में माननीय उप जिला कलक्टर महोदय द्वारा महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र, देवगढ, जिला राजसमन्द में कार्यरत दोनों परामर्शदाताओं को उनके द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्यो के लिए गणतंत्र दिवस पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। महिला सुरक्षा और सलाह केंद्र से जुड़े प्रकरण के निस्तारण में स्थानीय स्तर पर जतन संस्थान कार्यालय में प्रशिक्षित एवं अनुभवी कार्यकर्ताओं द्वारा भी मार्गदर्शन और सहयोग दिया जाता है।

स्थानीय स्वशासन को मजबूत करने की कवायद : पंचायती राज कार्यक्रम

सहयोग – अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन

परियोजना का मुख्य केंद्र 14 ग्राम पंचायतों में 'जागरूक मंचों' का गठन करना था, जिसमें समुदाय के जागरूक महिला/पुरुषों को संगठित किया गया। इन मंचों ने त्रैमासिक आधार पर कुल 56 बैठकों का आयोजन किया, जहाँ स्थानीय मुद्दों की पहचान की गई और उन्हें ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) में शामिल कराने का कार्य किया गया। इसके अतिरिक्त, सदस्यों के क्षमतावर्धन के लिए 03 विशेष प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जिनमें GPDP, जन सूचना पोर्टल और ई-ग्राम स्वराज ऐप जैसे विषयों पर 168 सदस्यों को शिक्षित किया गया। इस प्रकार, परियोजना ने समुदाय को न केवल जागरूक किया बल्कि उन्हें स्थानीय शासन प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदार बनने के लिए सशक्त भी बनाया।

सामाजिक और शैक्षिक उपलब्धियां

परियोजना ने 4 मुख्य सामाजिक मुद्दों पर व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किये - शिक्षा, बाल विवाह रोकथाम, पोषण और महिला हिंसा रोकथाम। 'शिक्षा की बात पंचायत के साथ' अभियान की विशेष सफलता रही, जिसके माध्यम से 140 बालक/बालिकाओं को पुन: शिक्षा में जोड़कर उन्हें नियमित किया गया। कुल 9085 समुदाय सदस्यों तक जागरूकता गतिविधियों (नुक्कड़ नाटक, फिल्म शो, रैलियाँ) के माध्यम से पहुँच बनाई गई। जमीनी स्तर पर कार्य करने के साथ ही, परियोजना ने सरकारी योजनाओं तक पहुँच सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परियोजना टीम और जागरूक मंचों के प्रयासों से 2785 समुदाय सदस्यों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया और 673 पेंशन प्राप्तकर्ताओं का वार्षिक सत्यापन किया गया। इसके अतिरिक्त, जन प्रतिनिधियों को सीखने-सिखाने के उद्देश्य से शैक्षणिक भ्रमण और त्रैमासिक 'सीख रो संदेशो' समाचार पत्र का नियमित प्रकाशन किया गया।

जनप्रतिनिधि समन्वय और संस्थागत जुड़ाव

परियोजना ने निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। जनप्रतिनिधियों के साथ राजसमन्द विधायक महोदय श्री विश्वराज सिंह जी के साथ सीधा संवाद आयोजित किया गया, जिसमें 48 सदस्यों ने भाग लिया और ब्लॉक तथा पंचायत स्तरीय मुद्दों को उच्च स्तर पर रखा। संस्थागत जुड़ाव को मजबूत करने के लिए, जतन संस्थान की टीम ने राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर सरकारी विभागों के साथ सक्रिय रूप से कार्य किया, जिसमें IGPRS में TOT, महिला हितैषी पंचायत, कार्बन न्यूट्रिक पंचायत और जेंडर बजट जैसे विषयों पर प्रशिक्षण तथा कार्यशालाओं में संदर्भ देने का कार्य शामिल था। परियोजना टीम के सदस्यों ने स्वयं भी IPRAS उदयपुर और जयपुर में महिला सशक्तिकरण और POSH अधिनियम जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी विशेषज्ञता को बढ़ाया, जिससे परियोजना के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक मजबूत ज्ञान आधार तैयार हुआ।

जागरूक मंच से आई जागरूकता

बात कर रहे हैं सकरा वास गांव में रहने वाली चंदा सरगरा की जो सकरावास ग्राम पंचायत में जागरूक मंच में एक सदस्य के रूप में जुड़ी और जागरूक मंच की बैठकों में नियमित शामिल होते हुए अपनी जानकारी बढ़ाने लगी. उन्होंने अपनी बात को प्रभावी तरीके से कहने का कौशल भी विकसित किया. चंदा जी सकरावास की बहु थी इसलिए कोई भी मुद्दा उठाने एवं सहयोग करने में उनका घुँघट बीच में आ जाता था. तब चंदा जी ठाना कि अब से में किसी का घुंघट नहीं निकालूंगी एवं अपनी बात को सबके सामने रखूंगी इसमें चंदा जी के पति और सास भी उनका हौसला बढ़ाया

आज चंदा जी ग्राम सभाओं में अपने गांव एवं वार्ड के मुद्दों को बेबाक तरीके से रखती है, आंगनवाड़ी और, स्कूल में हर प्रकार का सहयोग करती है, गाँव की किसी महिला के साथ यदि किसी भी प्रकार की हिंसा हो तो साथिन के साथ मिलकर उनकी मदद करती है।



माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के लिए अपनी प्रतिबद्धता दर्शाता –उगेर

जतन का स्व-पोषित कार्यक्रम

यह वर्ष भी माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन, जागरूकता, प्रशिक्षण तथा आजीविका सशक्तिकरण से जुड़ी विविध गतिविधियाँ निरंतर संचालित होता रहा। इस वर्ष उगेर यूनिट द्वारा अनेक कार्य किए गए –

निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद के 30 डिज़ाइन विद्यार्थियों को हुनर घर पर माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

आदित्य बिड़ला एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा उगेर यूनिट की 2 दिवसीय एक्सपोज़र विज़िट कराई गई, जिसमें प्रतिभागियों को पैड उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण और सामुदायिक कार्यों की जानकारी दी गई।

भोपाल के टेक्सटाइल डिज़ाइनर ने उजास पैड उत्पादन यूनिट की एक्सपोज़र विज़िट की।

जालना, महाराष्ट्र टीम के साथ नियमित फॉलो-अप किया गया, उनके द्वारा मांगे गए उत्पादों से संबंधित जानकारी साझा की गई तथा विभिन्न बैठकों में सक्रिय भागीदारी निभाई गई।

शैक्षणिक संस्थानों एवं समुदाय स्तर पर भी माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन के प्रशिक्षण आयोजित किए गए। इनमें **JKLU डिज़ाइनिंग कॉलेज, जयपुर**, **निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद** तथा **गोगुंदा मोड़ी** शामिल रहे। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से युवाओं, विद्यार्थियों एवं समुदाय की महिलाओं को माहवारी से जुड़े मिथकों, स्वच्छता के उपायों और आत्मनिर्भरता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

मारुति शिक्षा समिति, रतलाम तथा **चेतना, दिल्ली** द्वारा उगेर की एक्सपोज़र विज़िट कराई गई, जहाँ प्रतिभागियों को उत्पादन प्रक्रिया और संगठन के कार्य दृष्टिकोण से अवगत कराया गया।

सार्थ डेवलपमेंट के सहयोग से जालना पैड उत्पादन यूनिट को कच्चा माल भेजा गया तथा प्रत्येक माह नियमित रूप से उत्पादन हेतु आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई।

चाइल्ड फंड एवं **स्वस्थ पीढ़ी परियोजना** के साथ मिलकर माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन के प्रशिक्षण आयोजित किए गए। इस दौरान आकार स्कायर के लिए 900 एवं 1000 पैड के ऑर्डर समय पर पूरे किए गए तथा स्वस्थ पीढ़ी परियोजना के अंतर्गत 900 बैग और 20 MHM किट उपलब्ध कराई गईं।

ICE सामग्री, 380 "सीधी सच्ची बात" पुस्तिकाएँ, 30 चक्के एवं 15 पोषण झंडे वितरित किए गए। पहला कदम परियोजना को 50 सैनिटरी बैग, 50 पोषण झंडे एवं 30 फोल्डर प्रदान किए गए। शिक्षा एवं जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कुवांथल मेले (पहले पढ़ाई – सीखने सिखाने) में उगेर की स्टॉल लगाई गई। प्रवाह संस्था की खोज यात्रा के तहत आए अजय कुमार को उगेर यूनिट विज़िट के दौरान व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। साल भर पैड एवं सुंदरी बैग का उत्पादन किया गया, जिससे महिलाओं को आजीविका के अवसर मिले और समुदाय में माहवारी स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक सोच विकसित हुई।

स्वस्थ परम्पराएं

जश्न ए जतन

जतन संस्थान अपने कार्यकर्त्ता के समर्पण और प्रयास को हर साल 'जश्न-ए-जतन' के रूप में मनाती है। संसथान शुरू से ही विविधताओ से घीरा रहा है और हर साल संसथान अलग अलग राज्य के थीम के साथ इन विविधताओ को एक जश्न के रूप में मनाती है।

इस साल संसथान ने केरला थीम का चयन कर इस साल इसे सेलिब्रेट किया है। नए पुराने कार्यकर्त्ताओ के मेलजोल का एकलौता माध्यम 'जश्न ए जतन' में सभी कार्यकर्त्ताओ ने अपने पुराने दिनों को खूब याद किया.... किसी ने प्रोजेक्ट लव' किसी ने 'ख़ुशी' परियोजना तो किसी ने अपने फिल्ड के खट्टे मीठे अनुभव को अपने साथी कार्यकर्त्ता के साथ याद किया।





इस वर्ष यह समारोह केरल राज्य की कला और संस्कृति पर आधारित "मनोहरम, सुंदरम केरलम" थीम पर आधारित रहा । कार्यक्रम के लिए विशेष रूप से केरला की जानी-मानी मोहनिअट्टम नृत्य विशेषग्य जयाप्रभा मेनन और उनकी टीम को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने पारंपरिक नृत्य कथकली और मोहिनीअट्टम से सभी का मन मोह लिया।

इस कार्यक्रम का अंत संस्थान के डायरेक्टर और निदेशक कैलाश बृजवासी के खुबसूरत शब्दों से हुई-

"एहसासों की नमी बेहद जरुरी है हर रिश्ते में, रेत भी सूखी हो तो हाथों से फिसल जाती है"

कुछ ऐसी ही भावनाओं की अभिव्यक्ति और नए-पुराने कार्यकर्ताओं के साथ अपने अनुभवों को साझा करते हुए सम्पन्न हुआ जतन संस्थान का स्थापना दिवस 'जश्न-ए-जतन'। गोगुन्दा, उदयपुर में आयोजित इस समारोह में जतन संस्थान के कार्यकर्ताओं के अतिरिक्त पूर्व कार्यकर्ता, बोर्ड सदस्य, सलाहकार समिति के सदस्य, जन प्रतिनिधि, अन्य संस्थाओं और संगठन के साथी और स्थानीय नागरिकों सहित 600 से भी अधिक लोगों ने शिरकत की।

जतन जन जमघट

जतन संस्थान का वार्षिक स्टाफ क्षमता संवर्धन शिविर इस वर्ष हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा ज़िले में पालमपुर के समीप स्थित गोपालपुर गाँव में आयोजित किया गया। यह शिविर संस्थान के कार्यकर्ताओं के लिए सीख, संवाद और आत्ममंथन का एक समृद्ध मंच बना। शिविर का प्रमुख उद्देश्य कार्यकर्ताओं को अपने फील्ड अनुभव साझा करने, आपसी संवाद और सहयोग को सशक्त करने के साथ-साथ जेंडर और पुरुषत्व, बाल संरक्षण, यौन उत्पीड़न की रोकथाम (POSH), तथा प्रभावी संप्रेषण में डिज़ाइन की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर वैचारिक स्पष्टता और व्यावहारिक समझ विकसित करना था। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को हिमाचल की पहाड़ी संस्कृति से परिचित कराने पर भी विशेष ज़ोर दिया गया। हिमाचल क्रीयर फाउंडेशन से डॉन हसर, डिज़ाइनर सिद्धार्थ त्रिपाठी और बौद्ध भिक्षु जिम्मी नील जैसे अनुभवी विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। इनके साथ संवाद और उनके कार्यों को निकट से समझना जतन के कार्यकर्ताओं के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा। डॉन हसर द्वारा संचालित जेंडर सत्र में एलजीबीटीक्यूआई+ समुदाय के साथ होने वाले भेदभाव, उसके सामाजिक प्रभाव और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर गहन और संवेदनशील चर्चा की गई। संस्थान के उप निदेशक रणवीर सिंह द्वारा आयोजित "जतनोग्राम" गतिविधि के माध्यम से टीम-बिल्डिंग, आत्म-परिचय और पारस्परिक समझ को मज़बूत करने का प्रयास किया गया। आकाश पालीवाल ने यौन उत्पीड़न की रोकथाम एवं 'पॉश कमेटी' की भूमिका और कानूनी ज़िम्मेदारियों पर एक महत्वपूर्ण सत्र लिया। वहीं मरुधर सिंह ने बाल संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए फील्ड स्तर पर आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों और समाधान पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त, बौद्ध भिक्षु जिम्मी नील ने बौद्ध दर्शन के मूल्यों पर तथा फिल्म डिज़ाइनर सिद्धार्थ त्रिपाठी ने सामाजिक क्षेत्र में डिज़ाइन की उपयोगिता और प्रभाव पर अपनी विशेषज्ञता साझा की।

शैक्षणिक सत्रों के साथ-साथ प्रतिभागियों के लिए धर्मशाला में जागोरी ग्रामीण संस्थान, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और मैकलोडगंज का शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण भी आयोजित किया गया, जिसने सीख को व्यवहारिक और अनुभवात्मक रूप प्रदान किया। चार दिनों तक चले इस शिविर में कुल 107 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। यह शिविर न केवल सामाजिक मुद्दों की गहन समझ विकसित करने में सहायक रहा, बल्कि प्रतिभागियों को टीमवर्क, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और आत्म-विकास के नए दृष्टिकोण के साथ ऊर्जावान और प्रेरित करने वाला अनुभव भी प्रदान कर गया।



इंटर्न और वालंटियर

जतन संस्थान में सीखने और सिखाने की निरंतर परंपरा के तहत इस वर्ष देश के विभिन्न संस्थानों, जैसे मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (MLSU), निरमा विश्वविद्यालय, जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ (JNRU), Rubaroo,धीरूभाई अंबानी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संस्थान (DA-IICT), गुजरात इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (GLSID) तथा सिनर्जी संस्थान से 78 इंटर्न्स एवं स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं को जमीनी स्तर की वास्तविकताओं से जोड़ना था, जिसके तहत विद्यार्थियों ने राजसमन्द, उदैपुर के अलग अलग गाँव में मैदानी कार्य करके ग्रामीण परिवेश की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक जटिलताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझा और जन-कल्याणकारी पहलों के धरातल पर क्रियान्वयन का अनुभव प्राप्त किया। इसके साथ ही, प्रतिभागियों ने माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जैसे संवेदनशील सामाजिक व स्वास्थ्य मुद्दों पर ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों के साथ संवाद स्थापित कर भ्रांतियों को दूर करने तथा जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए एक समृद्ध शिक्षण अनुभव साबित होने के साथ-साथ ग्रामीण समुदाय के सशक्तिकरण की दिशा में भी एक सार्थक कदम रहा।

पुरस्कार और सम्मान

वर्ष 2024-25 में जतन संस्थान और इसके टीम सदस्यों को समाज कल्याण, बाल संरक्षण, युवा सशक्तिकरण तथा समुदाय स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों से सम्मान व प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुए हैं। ये सभी सम्मान संस्थान के प्रतिबद्ध प्रयासों तथा जमीनी स्तर पर सकारात्मक सामाजिक बदलाव की दिशा में इसकी निरंतर क्रियाशीलता को रेखांकित करते हैं।
महिला एवं बाल विकास विभाग देवगढ़ द्वारा राष्ट्रीय पोषण मिशन में उल्लेखनीय उपलब्धि और लाभार्थियों को जोड़ने हेतु प्रदीप सिंह को सम्मानित किया गया।
'आरोहण यूथ फेस्ट 2024' में संस्था द्वारा मार्गदर्शन प्रदान करने पर आभार एवं प्रशंसा पत्र भेंट किया गया।
सामाजिक कार्य क्षेत्र में क्षमता वर्धन हेतु संस्थान के मरुधर सिंह देवड़ा ने जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ के सेंटर फॉर एक्सीलेंस द्वारा आयोजित 'हाई इम्पेक्ट प्रोजेक्ट प्लानिंग एंड मैनेजमेंट' कार्यशाला में प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया।
नगर पालिका देवगढ़ द्वारा महिला सुरक्षा एवं परामर्श केंद्र से जुड़ी दीपिका राठौड़ एवं जमना चौहान को उत्कृष्ट सेवा व सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

JATAN EXECUTIVE COMMITTEE

(As on March 2025)

1. Dr. Lakshmi Murthy – President
   Founder Jatan Sansthan, Designer and Social Communicator, Area Of Expertise Reproductive Health, Udaipur

2. Ranveer Singh - Secretary
   Social Worker Railmagra, Rajsamand

3- Mohammad Yusuf - Treasurer
   Retd- Jr-Civil Engineer, Raj- Govt., Udaipur

4. Dr. Kailash Brijwasi - Founder Member
   Educationist and Expert in Gender & Life Skills, Udaipur

5- Gowerdhan Singh Chouhan - Member
   Founder Jatan Sanstha, Social Worker Railmagra, Rajsamand

6- MAHESH DADHEECH – Member
   Chairperson, Advocate & Legal Advisor Municipal Board Of Gangapur, Bhilwara

7. Manju khatik – Member
   Social Worker Railmagra, Rajsamand

8. Kalpana Mehta
   Chartered Accountant, Udaipur

9- Dr. suman Singh
   Retired ICAR-Emeritus Professor and Head of the Department (HOD) of Family Resource Management at MPUAT, Udaipur.

साधारण सभा की वार्षिक बैठक

8 फ़रवरी 2025 (द्वितीय शनिवार)

कार्यकारिणी समिति की बैठकों की तारीखें

- 11 मई 2024
- 13 जुलाई 2024
- 12 अक्टूबर 2024
- 14 दिसंबर 2024
- 8 फ़रवरी 2025

JATAN EXECUTIVE COMMITTEE

Dr. Lakshmi Murthy
President

Ranveer Singh
Secretary

Mohammad Yusuf
Treasurer

Mahesh Dadheech
Member

Dr. Kailash Brijwasi
Founder Member

Manju Khatik
Member

Goverdhan Singh Chouhan
Member

Govind Singh
Member

Bhupendra Singh
Member

Dr. Gayatri Tiwari
Member

Dr. suman singh
Member

Kalpana Mehta
Member

Dr. Vardhini Purohit
Member

Geetika Ramchandran
Member

Sanjay chittoda
Member

Mukesh Sinha
Member



JATAN SANSTHAN

STAFF DETAILS AS ON 31 MARCH 2025

Gender	Paid Full-Time	Paid Part-Time	Paid Consultants	Total
Male	60	0	45	105
Female	32	1	46	79
Total	**92**	**1**	**91**	**184**

DISTRIBUTION OF STAFF ACCORDING TO SALARY LEVELS AS ON 31 MARCH 2025

Gross salary plus benefits paid to staff (Rs. Per month)	Male staff	Female staff	Total staff
Less than 5,000	0	0	0
5,001 - 10,000	8	20	28
10,001-25,000	76	48	124
25,001 - 50,000	12	9	21
50,001 - 1,00,000	7	2	9
Greater than 100,000	2	0	2
TOTAL	**105**	**79**	**184**

(M) 94141 57232

S.D. BAYA & Co.

Chartered Accountants

S. D. Baya
M.Com., FCA

448, Moksh Marg
Shastri Circle
Udaipur (Raj.)

FORM No. 10B
[See rule 16CC and 17B]

Audit report under clause (b) of the tenth proviso to clause (23C) of section 10 and sub-clause (ii) of clause (b) of subsection (1) of section 12A of the Income-tax Act, 1961, in the case of a fund or trust or institution or any university or other educational institution or any hospital or other medical institution.

I have examined the balance sheet of **JATAN SANSTHAN** [name of the fund or trust or institution or any university or other educational institution or any hospital or other medical institution] as at **31-MAR-2025** and the Income and Expenditure account or Profit and Loss account for the year ended on that date are in agreement with the books of account maintained by the said fund or trust or institution or university or other educational institution or hospital or other medical institution.

I have obtained all the information and explanations to the best of my knowledge and belief which are necessary for the purposes of the audit.

In my opinion, proper books of account have been maintained at the registered office of the above named fund or trust or institution or university or other educational institution or hospital or other medical institution at the address mentioned at serial number 14 of the Annexure:

In my opinion and to the best of my information and according to explanations given to me, the particulars given in the Annexure are true and correct subject to following observations or qualifications

In my opinion and to the best of my information, and according to information given to me, the said accounts give a true and fair view

(i) in the case of the balance sheet, of the state of affairs of the above named * fund or trust or institution or university or other educational institution or hospital or other medical institution as on **31-MAR-2025** and

(ii) in the case of the Income and Expenditure account or Profit and Loss account, of the income and application or profit or loss of its accounting year ending on **31-MAR-2025**

subject to the following observations/qualifications

The prescribed particulars are annexed hereto.

For S.D.BAYA & COMPANY
Chartered Accountant
(Firm Regn No.: 0007833C)

(SHUBH DARSHAN BAYA)
PROPRIETOR
Membership No: 076167

S.D. BAYA & CO. 448, Moksh Marg Shastri Circle Udaipur Chartered Accountants

Place :UDAIPUR
Date : 10-Oct-2025
UDIN : 25076167BMJPPG5979

Jatan Sansthan

36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

BALANCE SHEET (CONSOLIDATED)

AS AT 31st March 2025

Particulars	Sch.	As AT 31.03.2025
SOURCES OF FUND		
CAPITAL FUND:	2	1,84,20,268.50
RESERVE & SURPLUS	3	2,28,72,663.36
CURRENT LIABILITIES	4	78,64,937.56
STAFF WELFAREFUND		1,48,684.00
UN SPENT AMOUNT PAYABLE ON PROJECTS	7	1,80,44,838.18
Total		**6,73,51,391.60**
APPLICATION OF FUNDS		
FIXED ASSETS	1	1,84,20,268.50
CURRENT ASSETS	5	23,05,148.00
CASH - BANK- BALANCE	6	4,66,25,975.10
		6,73,51,391.60
Notes on Accounts		0.00

The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants
Firm Regn No.0007833C

For: Jatan Sansthan

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

(Ranveer Singh Shaktawat)
Secretary

(Mohammed Yusuf Khan)
Treasurer

S.D. BAYA & CO. 448, Moksh Marg Shastri Circle Udaipur Chartered Accountants

Jatan 5, Tarapati Vihar, Near Celebration Mall, Bhuwana, Udaipur-313001, India

Place: Udaipur (Raj.)
Date 10.10.2025

Jatan Sansthan

36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT (CONSOLIDATED)

FOR THE YEAR ENDED ON 31-03-2025

Particulars	Sch.	This Year
INCOME DURING THE YEAR		
Grant In Aid	7	9,02,46,698.84
Interest Earned		20,08,923.00
Other Income/Donation/Admn. Rec.		66,40,093.72
Membership Fee		1,463.00
Sale of Scrap		59,041.00
Total (A)		9,89,56,219.56
EXPENDITURE DURING THE YEAR		
Project Expenses	7	8,33,68,358.57
Organisational/Other Programme Expenses		29,40,735.06
Total (B)		8,63,09,093.63
Excess of Income over Expenditure (A-B)		1,26,47,125.93
Less :Fixed Assets Purchase During the Yeatr		8,68,741.00
Add :Opening unspent /overspent Balances of Funding Agencies		**1,19,30,491.13**
		2,37,08,876.06
Less : Unspent during the year		1,80,44,838.18
Net Allocated Surplus/Deficit		**56,64,037.88**

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants
Firm Regn No.0007833C

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167
Place: Udaipur (Raj.)
Date 10.10.2025

For: Jatan Sansthan

(Ranveer Singh Shaktawat)
Secretary

(Mohammed Yusuf Khan)
Treasurer

Page 2

Jatan Sansthan
36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT (CONSOLIDATED)

FOR THE YEAR ENDED 31-03-2025

	AMOUNT
A. OPENING BALANCE	
Cash in hand	0.00
Cash at bank	3,28,15,503.17
FD's With Bank	41,82,352.00
	3,69,97,855.17
I. RECEIPTS DURING THE YEAR	
(i) Grants for Programme	
Gebeco Reisen	9,27,850.00
BARNFONDEN	50,94,902.00
Educate for Life	43,00,000.00
Myriad	1,75,30,156.00
Teree Des Hommes Deutschland(TDH)	4,36,365.65
Teree Des Hommes Deutschland(TDH-BMZ)	30,83,335.35
Kailash Satyarthi Children's Foundaiton	33,91,539.00
Child Fund International	1,23,21,279.00
Azim Prem ji Philenthropic Initiatives Pvt. Ltd.	96,50,000.00
Harish & Bina Shah Foundation	90,00,000.00
UNICEF, Jaipur	3,64,581.00
UNICEF, Jaipur	32,69,681.00
IPE Global, New Delhi	1,66,94,993.00
Anil Agrawal Foundation	26,35,171.84
Mahila Adhikarita Vibhag Dhambola/Dungarpur	2,78,946.00
Mahila Adhikarita Vaibhag Rajsamand	5,00,000.00
Mahila Adhikarita Vibhag Gangapur Bhilwara	4,02,946.00
Mahila Adhikarita Vibhag Mavli	3,64,953.00
	9,02,46,698.84
(ii) Other Receipts	
Administrative & Other Receipts	59,51,770.72
Uger Programme related Receipts	1,33,046.00
Jatan Resource centre	8,36,201.00
Bank Interest	20,08,923.00
Member Ship Fee	1,463.00
Staff Welfare Fund	75,433.00
TDS Refund	7,18,024.00
Sale of Scrap	59,041.00
Current Liabilities	20,56,001.00
	1,18,39,902.72
B. TOTAL RECEIPTS DURING THE YEAR(i+ii)	**10,20,86,601.56**
C. FUNDS AVAILABLE DURING THE YEAR (A+B)	**13,90,84,456.73**

Jatan Sansthan
36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT (CONSOLIDATED)

FOR THE YEAR ENDED 31-03-2025

	AMOUNT
II. PAYMENTS DURING THE YEAR	
(i) Programme Related Payments	
Running of NFE and Balwadi Centre (Devali Udaipur) Intends to cater to the development needs of children with focus on health	10,59,862.00
Parents + (Urban 95) BVLF	35,30,454.00
Education Programme	35,49,525.00
Pehla Kadam (Strengthening the System for Early Learning)	42,22,516.00
Child Development Programme	37,46,385.31
Child Development Programme	1,17,78,106.26
Acess to Justice for Children	32,13,093.00
Pehla Kadam (The primary aim is to enhance preschool preparedness for children by strengthening Integrated Child development service)	76,78,633.00
Building Evidence Base on Strategies to Prevent Child Marriage	8,80,299.00
Combating Child marriage and related unethical practices gender inequality in Rajasthan, India	8,38,788.00
Healthy Generation	1,13,58,263.00
Panchayati Raj Strenghtning Programme	47,39,131.00
SEHYOGI	44,14,923.00
RajPusht Project (IPE Global)	1,36,13,334.00
Quality Educationb for Children	1,42,334.00
Nand Ghar	69,91,926.00
Mahila Salah Evam Suraksha Kendra Deogarh	4,37,633.00
Mahila Salah Evam Suraksha Kendra Dhambola/Dungarpur	4,09,246.00
Mahila Salah Evam Suraksha Kendra Gangapur Bhilwara	3,75,427.00
Mahila Salah Evam Suraksha Kendra Mavli	3,88,480.00
	8,33,68,358.57
Organisational & Other Prog. Expenses	17,89,649.06
Uger Programme Related Expensess	1,67,606.00
Jatan Resource Centre	10,02,253.00
Staff Welfare Expenses	75,695.00
Total	**30,35,203.06**
(iii) Fixed assets purchased	8,68,741.00
	8,68,741.00

Jatan Sansthan
36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT (CONSOLIDATED)

FOR THE YEAR ENDED 31-03-2025

	AMOUNT
(iv) Loan and Advances	
Loan and Advance	46,26,770.00
TDS Receivable FY 24-25	5,59,409.00
	51,86,179.00
D. TOTAL PAYMENTS DURING THE YEAR	**9,24,58,481.63**
E. CLOSING BALANCE	
Cash at banks	3,18,78,145.10
FD's With Bank	1,47,47,830.00
	4,66,25,975.10
F. TOTAL PAYMENTS DURING THE YEAR (D+E)	**13,90,84,456.73**

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants
Firm Regn No 0007833C

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

Place: Udaipur (Raj.)
Date 10.10.2025

For: Jatan Sansthan

(Ranveer Singh Shaktawat)
Secretary

(Mohammed.Yusuf Khan)
Treasurer

कतरनों की जुबानी . .

जेंडर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ का हुआ प्रशिक्षण



पहला कदम परियोजना के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ का जेंडर पर प्रशिक्षण हुआ

♦भारत टाइम्स♦

देवगढ़। विद्याधर वैष्णव । ब्लॉक में जतन संस्थान द्वारा संचालित पहला कदम परियोजना के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ का जेंडर पर प्रशिक्षण हुआ जिसमे देवगढ़ एवं लसानी क्लस्टर की कुल 51 कार्यकर्ताओ ने भाग लिया । ब्लॉक समन्वय प्रदीप सिंह एवं परियोजना समन्वयक उषा चौधरी ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कार्यकताओं की जेंडर के बारे में अवधारणात्मक समझ विकसित करना , जेंडर आधारित भेदभाव समझते हुए सामाजिक स्तिथि और इसके प्रभाव को जानना एवं जेंडर व्यवस्था बनाए रखने वाले कारकों को समझाना था ।प्रशिक्षण के दौरान सुमित्रा मेनारिया , श्यामा वैष्णव , महेंद्र ईडीवाल , ललित सिंह , माधुलाल , हर्ष , खुशबू गर्ग , तनिषा टांक उपस्थित रहे ।

बाल विवाह रोकथाम के लिए आमजन को किया जागरूक



कुंआ. बाल विवाह की रोकथाम को लेकर जागरुक करती अतिथि।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कुआं @ पत्रिका. कुआं ग्राम पंचायत में नरेगा साइड पर महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र की काउंसलर कल्पना मीणा ने महिला सलाह सुरक्षा की जानकारी दी। साथ ही घरेलू हिंसा, निःशुल्क कानूनी सुविधा, निशुल्क विधिक सुविधा, चाइल्ड लाइन हेल्पलाइन नंबर 1098 पुलिस सहायता के लिए 112 एवं 100 पोक्सो एक्ट, लैंगिक उत्पीडन, बाल विवाह आदि सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आमजन को जागरूक करने का प्रयास किया। विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

लैंगिक उत्पीड़न व पॉक्सो एक्ट की दी जानकारी, दिलाई शपथ



मावली. राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मावली में महिला अधिकारिता विभाग की ओर से संचालित महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र मावली की ममता कुंवर की ओर से कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें स्कूल की 350 बालिकाओं व विद्यालय स्टाफ को महिला सलाह सुरक्षा केंद्र की जानकारी दी गई। साथ ही निशुल्क विधिक परामर्श की सुविधा, मार्गदर्शन के बारे में बताते हुए सखी वन स्टॉप सेंटर के बारे में जानकारी दी। कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न, पोक्सो एक्ट, बाल विवाह, दहेज प्रथा पर रोक आदि के बारे में जागरूक किया गया। अंत में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत शपथ दिलवाई गई।

#InternationalMen'sDay मर्दानगी के बदल रहे मायने, उदयपुर जिले के गोगुंदा उपखंड के गांवों में लैंगिक समानता की नई इबारत सीख रहे किशोर

अहंकार और आक्रोश नहीं, सहयोग, समानता और प्रोत्साहन पुरुषत्व के गुण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर . मैं मर्द हूं, मेरे परिवार की महिलाएं क्या करेंगी, क्या नहीं, कहां जाएंगी, कहां नहीं। गुस्से में कभी कभार स्त्री पर हाथ उठा दिया तो इसमें गलत क्या ? मर्दानगी की इन अवधारणाओं को अब बदला जा रहा है। किशोरवय युवाओं को पुरुषत्व की नई परिभाषा सिखा रहे हैं। लैंगिक समानता के विषयों को लड़कों के व्यवहार में उतारने के जतन हो रहे हैं। यूनिसेफ के पायलट प्रोजेक्ट के रूप में राजस्थान के उदयपुर जिले में चार साल पहले हुई इस बदलाव की शुरुआत को अब प्रदेश और देश में नई उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस आज

उदयपुर जिले के गोगुंदा उपखंड के 30 गांवों में वर्ष 2021 में जतन संस्थान की ओर से मुहिम की शुरुआत हुई। इन गांवों के किशोरों के 30 अलग-अलग समूह बनाए गए। जिनमें करीब 850 किशोर शामिल हैं। इन किशोरों के व्यक्तित्व में लैंगिक भेदभाव को समाप्त करना शुरू किया। जिसके सकारात्मक नतीजे हाल ही में किए गए एक सर्वे में सामने आए। सर्वे के दौरान इन 30 गांवों और अन्य 30 गांवों के 70-70 बालकों से ऐसे प्रश्न पूछे गए, जिनमें उनका महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण परिलक्षित होता है। सर्वे में यह सामने आया कि जिन गांवों के बालकों को मुहिम में शामिल किया गया है, वे अपने आप को समाज में स्त्री सुलभ माने जाने वाले कार्यों को करने में सहज पाते हैं। साथ ही महिलाओं को उन भूमिकाओं में देखने में उन्हें परहेज नहीं, जिन्हें सिर्फ पुरुषों का क्षेत्र माना जाता है, जबकि अन्य 30 गांवों के बालकों में इन सवालों के जवाब पारम्परिक रूप से पुरुष प्रधान समाज की अवधारणा के अनुरूप थे।

यूनिसेफ के सहयोग से जतन संस्था कर रही मर्दानगी की अवधारणा बदलने के जतन

पानी लाने, झाड़ू लगाने और खाना पकाने से नहीं परहेज

इस परियोजना के तहत 30 गांवों के 30 समूहों से जुड़े किशोरवय बालकों के व्यवहार में बदलाव देखा जा रहा है। अब वे घर के कार्य करना जैसे पानी लाना, झाड़ू लगाना या खाना पकाना आदि में संकोच नहीं करते। घर का काम - सबका काम जैसी गतिविधि के तहत उनके मन से पुरुषत्व की गलत परिभाषा को बदला गया। इसी तरह शारीरिक ताकत को पुरुषत्व की पहचान जैसे भाव को बदलने के लिए दादागिरी नहीं मर्दानगी का नारा दिया। जिसमें उन्हें स्टंट दिखाने या शक्ति प्रदर्शन के बजाय दूसरों की मदद के भाव पैदा किए। लड़कियों को प्रोत्साहित या अवसर देने के लिए इन बालकों के समूह ने पिछले दिनों गोगुंदा उपखंड के मजावद में लड़कियों के क्रिकेट मैच का आयोजन किया।



सकारात्मक बदलाव... गोगुंदा उपखंड में बालक घर के लिए पानी भरकर लाते हुए।



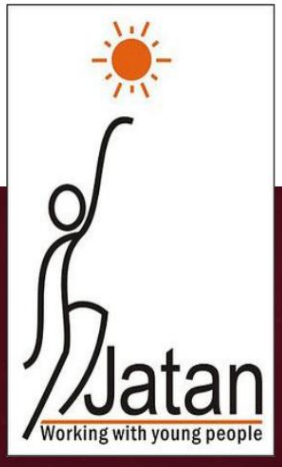
किशोर बालक व्यंजन बनाकर अपनी मां को खिलाते हुए।

3ए बनाम 3वी की अवधारणा पर कार्य

परियोजना के तहत संस्थान की ओर से 3 ए बनाम 3 वी की अवधारणा पर कार्य किया जा रहा है। किशोरों में 3 ए अर्थात अहंकार, आधिपत्य और आक्रोश के भावों को 3 वी में बदलने का लक्ष्य है। इसमें 3 वी का तात्पर्य वॉइस अर्थात महिला अधिकारों के लिए आवाज उठाए, वायलेंस यानी उनके प्रति हिंसा को रोकें और विस्टा ऑफ अपॉर्चुनिटीज यानी अवसर प्रदान करें। इसके लिए संस्थान की ओर से किशोरों के समूहों की विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है तथा इन समूहों के बालकों के अभिभावकों को भी प्रशिक्षित किया जा रहा है।

Q हमारे समाज में लैंगिक समानता की बातें तो होती है, लेकिन यह लड़कियों से शुरू होकर उन्हीं पर खत्म हो जाती है। जबकि इसके लिए समाज के पुरुषों के व्यवहार में बदलाव की आवश्यकता है। उनके मन में मर्दानगी के प्रति जो भ्रांतियां है, उन्हें बदलने की जरूरत है। इसी के लिए यूनिसेफ के पायलट प्रोजेक्ट के रूप में उदयपुर जिले के गोगुंदा उपखंड में सहयोगी परियोजना संचालित की जा रही है। इसके सकारात्मक परिणामों के बाद अब देश की अन्य संस्थाएं भी ऐसे काम हाथ में लेने के लिए रुचि दिखा रही हैं। उम्मीद है कि अन्य जिलों में भी यह परियोजना शुरू की जाएगी।

- डॉ. कैलाश बृजवासी, संचालक, जतन संस्थान, उदयपुर



JATAN SANSTHAN

5, TIRUPATI VIHAR, BHUWANA ROAD,
NEAR CELEBRATION MALL,
UDAIPUR (RAJASTHAN)
WEBSITE: WWW.JATANSANSTHAN.ORG